लेकिन 54 वर्ष में खास करके जो ऑयल है, उसके मामले में हमारी जो दुर्गति है जिसके चलते यह पत्थर हमारे पैर पर पड़ा है, उसके चलते बेकारी और बेरोजगारी का समाधान कोई भी सरकार नहीं कर पाएगी क्योंकि तेल जो है, वह बडी भारी समस्या है । महोदय, बाजू में चीन है । 45 साल वह साइकिल पर चला इसलिए आज तेजी से आगे बढ रहा है । हमें भी महात्मा गांधी ने सिखाया था कि मितव्ययी बनना चाहिए, फिजूलखर्ची बंद होनी चाहिए और डाउनसाइजिंग हो । डाउनसाइजिंग का जो जिम्मा हमें मिला है, उसमें हम पूरी ताकत लगाकर डाउनसाइजिंग करेंगे जिसका आपने उल्लेख करते हुए कहा । हमारी सरकार इसका प्रयास कर रही है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। जिन सदस्यों ने डिबेट में हिस्सा लिया है, मेरे पास एक एक सदस्य के लिखित वक्तव्य हैं । विशेष तौर पर जीवन राय जी ने जो सुझाव दिये,उनको मैं विस्तार से कहता लेकिन परिस्थिति ऐसी है कि मैं सारी बातों को यहां नहीं रख सकता ।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : आप बाद में भेज दीजिएगा ।

श्री शरद यादव : केवल एक बात कहता हूं कि जो डिबेट हुई है यह बेहतर डिबेट है और आप सबकी चिंता से मैं सहमत हूं । इस समस्या के समाधान के लिए प्लानिंग कमीशन में जो ग्रुप बना है, जो अनइम्प्लॉयमेंट को दूर करने का काम करेगा, उसके पास यह सारी डिबेट भेजने का काम मैं जरूर करूंगा जिससे इस बहस का नतीजा निकल सके । इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं । धन्यवाद ।

THE ALL-INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (AMENDMENT) BILL, 2001

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Now, Dr. C. P. Thakur will move the motion for amendment of the All-India Institute of Medical Sciences Act, 1956.

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. C. P. THAKUR): Sir, I move-That the Bill further to amend the All-India Institute of Medical Sciences Act, 1956, be taken into consideration."

Sir, actually this is a small Bill. It aims at correcting certain omissions, or you can say, mistakes; it may be a mistake in typing, or an omission of that type committed at that time in 1956. When the Act was designed, it was provided that the Institute would impart training in dentistry and dental colleges would be opened. But where they had to provide that degrees should be awarded, they had left BDS and they had also left

nursing, etc. Therefore, this Bill is just to amend the Act to that extent, so that those two degrees could also be included. So, I would request you that the Bill should be taken into consideration and that the House should pass it.

The question was proposed.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): This is only for insertion of sections 23 and 24.

DR. C. P. THAKUR: Actually, sections 23 and 24 of the Act need to be amended.

उपसभाध्यक्ष (**श्री सुरेश पचौरी**) : श्री संघ प्रिय गौतम । आप बोलना चाहेंगे या इसे विदाउट डिसकशन पास कर दिया जाए ।

SHRI S. RAMACHANDRAN PILLAI (Kerala): There are some issues and we want to raise those issues.

श्री संघ प्रिय गौतम (**उत्तरांचल**) : मुझे कुछ ज्यादा नहीं कहना है लेकिन...

SHRI S. RAMACHANDRAN PILLAI : We have some issues. No, no; we have some points to make. *..(Interruptions)...*

उपसभाध्यक्ष (**श्री सुरेश पचौरी**) : श्री राधाकृष्ण मूर्ति ।

श्री संघ प्रिय गौतम : सर ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (**श्री सुरेश पचौरी**): गौतम जी, आप बोल रहे हैं तो बोलिए ।...(व्यवधान)...

श्री संघ प्रिय गौतमः लोग बोल रहे हैं, मैं नहीं बोल रहा हूं । अगर और लोग नहीं बोलेंगे तो मैं भी नहीं बोलूंगा ।

उपसभाध्यक्ष (**श्री सुरेश पचौरी**): आप बोलिए ।

श्री संघ प्रिय गौतमः उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस बिल के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । यह बड़ा छोटा विधेयक है जो संशोधन के लिए आया है लेकिन महत्वपूर्ण है । मैं यह समझता हूं कि शायद इसमें कहीं एक और संशोधन न करना पड़ जाए इसलिए मंत्री जी का

ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं । हमारा जो ओरिजनल एक्ट है उसमें सैक्शन-13 में यह है, "The objects of the Institute shall be to develop patterns of teaching in undergraduate and post-graduate medical education in all its branches so as to demonstrate a high standard of medical education to all medical colleges and other allied institutions in India." लेकिन जब हम इसमें डेंटल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज जोड़ रहे हैं तो शायद यह जोड़ना पड़ जाए, मैं आश्वस्त नहीं हूं । मैं माननीय सदन और मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं क्योंकि इसमें डेंटल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज यह संस्थान चला सकता है, मेंटेन कर सकता है, स्टेब्लिश कर सकता है । यह धारा-14 में दिया हुआ है । ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : 13 में दिया हुआ है । ...(व्यवधान)... डेंटल का 14 में है और आपने जो पढा है वह सैक्शन-13 में है ।

श्री संघ प्रिय गौतम : 14 एफ में है और इसका थर्ड है, "Notwithstanding anything contained in any other law for the time being in force, establish and maintain this institution, make a dental college with such institutional facilities for the practice of dentistry, and for the practical training of students, as may be necessary." And 4(a) is about the nursing college. पहले इसमें यह प्रावधान था लेकिन यह डिग्री नर्सिंग और डेंटल के लिए क्वालिफिकेशन नहीं थी, केवल इसमें यह करने जा रहे हैं । इसको 13 में भी जोड़ना पड़ सकता है । मैं इससे आश्वस्त नहीं हूं लेकिन इस पर विचार किया जाए तो एक ही साथ संशोधन हो सकता है, मंत्री जी अमेंडमेंट ला सकते हैं, यह तो करना ही पड़ेगा । मैं इस संबंध में दो बातें कहना चाहता हूं कि 1956 में जब इस संस्थान की स्थापना हुई तो इसके पीछे बड़ा पवित्र उद्देश्य था ।एक राष्ट्रीय स्तर, राष्ट्रीय ख्याति का यह संस्थान बने और वास्तव में यह बना और यह भी था कि इसमें शिक्षा पद्धति इतनी अच्छी और इतने ऊंचे स्तर की दी जाए कि भारतवर्ष के जितने भी चिकित्सा संस्थान हैं, वे सब इससे प्रभावित हों और इससे कुछ सीखें । मैं पिछले काफी दिनों से यह देख रहा हूं कि जब यहां पर नियुक्ति होती है तो उसके बारे में यहां पर हड़ताल होती है । यह सारे राष्ट्र का प्रतिष्ठित संस्थान है, यहां पर मरीज आते हैं, कई-कई बार उनको दिखाने के लिए आना पड़ता है और 6 महीने में जाकर उनकी भर्ती होती है ।

'जब तक गूंगी राग पूड़ेगी, तब तक सवा उठ ड्योढी होएगी' ।

तब उसका दीवाला निकल जाता है और बहुत से ऐसे मरीज भी होते हैं जिनकी हालत बहुत ज्यादा खराब हो जाती है । इसकी पवित्रता को बनाए रखने के लिए इस दिशा में कुछ संशोधन और सुधार होने चाहिए, और यहां पर शांति रहे । यहां पर पहले से कोई ऐसी बात होने वाली है जिससे शांति भंग हो सकती है, prevention is better than cure, महोदय, आप तो इसके सदस्य रहे हैं, इसके बारे में जानते हैं । इसलिए पहले से ही उपचार कर लेना चाहिए । दूसरा यह है कि इसमें और ज्यादा बेड्स की व्यवस्था हो सकती है तो करनी चाहिए । उन्हें बेड नहीं मिलता । वे मरीज जिन्हें गंभीर बीमारी है वे भी बरामदे में पड़े रहते हैं । मैं आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि यह एक राष्ट्रीय और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान है इसलिए इसका महत्व नहीं घटना

चाहिए । यदि आवश्यकता समझें तो मैंने जो अपनी शंका व्यक्त की है उस पर थोड़ा विचार कर लें तथा इसे समझा दें । मैं इस विधेयक का समर्थन करता हूं । धन्यवाद ।

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman, Sir, Gautamji wanted to pass the Bill without discussion. When I wanted to speak, he spoke for such a long time. Anyway, my observations arise only out of his observations. That is, he wanted to see to it that the standards of medical education, dental education and nursing education are maintained. That is the essence of his speech, if I have understood correctly. My observation is also the same. The sum and substance of this Bill is, after all, to recognise the degrees given by the AIIMS in the medical, dental as well as nursing colleges. If the question of recognition of these degrees is considered properly, then the question which naturally arises is, whether the standards of these degrees are up to the mark, for recognition by the respective Councils.

Sir, as far as the AIIMS is concerned, most of you are aware of the things; the standards of the AIIMS regarding the staff pattern. I would like to know from the hon. Minister a few things. I have got the greatest respect for him. He is also a colleague of mine. Sometime back, we had a discussion. How many faculty posts are there in the medical college, in the dental college and in the nursing college, in the AIIMS? How many posts are filled up on a permanent basis? How many of them are still continuing, on a year-by-year basis or on a temporary basis? How many posts are vacant, as of today? This is the information I would like to know, because this, to some extent, determines the standards of medical education in all the colleges.

Sir, when we had a discussion on this particular aspect sometime back, the answer given was that the matter was in the court and therefore, the delay was taking place. But the delay has been for the last decade or more, in filling up more than a hundred posts, on a permanent basis. So, they had said that they were filling up the posts, on a temporary basis. I would like to know the latest position; and, if the court cases are cleared, whether you are filling up all these posts on a permanent basis. I would like to have information on this one aspect so that we can judge about the standard of degrees given by these respective colleges.

Somehow, Sir, the situation in the AIIMS, as I understand, doesn't look well, because ot the administrative and other problems that arise very frequently; strikes and agitations are reported in the newspapers very frequently. That means, there is something wrong going on in the AIIMS, as far as the administrative affairs are concerned. This has to be looked into. I would like to know from the hon. Minister whether they have had an assessment of the situation in the AIIMS administration, whether they had taken any corrective measure, or whether these things are still going on. I would come to the details at a later stage.

Then, Sir, the question arises with regard to the recognition by the Indian Medical Council, the Indian Dental Council and the Indian Nursing Council. Here comes the point whether the Indian Medical Council is up to the mark in maintaining the standards, or monitoring the standards, of the medical colleges, in general, and the AIIMS, in particular, because I have some points. Previously also, I had raised these points. The Delhi High Court describes the Medical Council of India as the den of corruption.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Mr. Murty. It is a very limited discussion; on insertion of section 23 and 24. It is not on the working of the AIIMS or the Medical Council of India. Please be brief.

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: Sir, I will take only a few minutes. I rarely speak and I never exceed the time limit. You know that.

Next, the question that arises is, certain degrees have to be recognised by the Medical Council of India, the Dental Council of India and the Nursing Council of India. So, these are the bodies which monitor or give recognition to these colleges -- not only the AIIMS, but generally. So, you must know how the working of the Indian Medical Council itself is. *...{Interruptions)...*

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: ! Sir, we can discuss the functioning of the Indian Medical Council separately. *...interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: I want to discuss it again, again and again. *...l/nterruptions)...*What is his objection? *...(Interruptions)...]* want to discuss it again. *...l/nterruptions)...*The hon. Minister is there to give me the reply. *...l/nterruptions)...* Then he has no difficulty. *...(Interruptions)...*

श्री संघ प्रिय गौतम: अगर उस पर भी चर्चा हो जाए तो कोई बुराई नहीं है । But now we are discussing a very small amendment. *...(Interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: Why is he worried about it? *...interruptions)...* Sir, I appeal to the Chair that my understanding is that when a Member is speaking the other Members should not interrupt him. *...(Interruptions)...*They should maintain the decorum. *...(Interruptions)...* I will not speak anything out of context. *...(Interruptions)...*There are two or three points which are not my personal observations. *...(Interruptions)...*These are the observations of the Delhi High Court. ... *(Interruptions)...* I will quote from the judgment of the Delhi High Court. In the case of the Chairman of the Indian Medical Council, the High Court has observed it and passed strictures against him. *...(Interruptions)...*These are not against an individual. *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA (Bihar) : Sir, I have a small point to make. Sir, are we discussing the Indian Medical Council now? *...(Interruptions)...*

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: The Indian Medical Council is not related to this subject. *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, I am not opposing him. *...(Interruptions)...* But he is depriving me to speak on this subject. *...(Interruptions)...*\ want to speak on this subject. *...(Interruptions)...* I want to speak on the Indian Institute of Medical Sciences Act, and the Indian Medical Council *...(Interruptions)...* I request that the House should allot time to discuss that issue so that we can come out fully with your views. *...(Interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHAN MURTY: Sir, I can understand his agony. *...(Interruptions)...* I know why he is objecting to it now. *...(Interruptions)...* I can understand that. *...(Interruptions)...* I have got a right to speak. It is for the Chair to give a ruling. *...(Interruptions)...*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Please conclude. *...(Interruptions)...* ये दोनों ही विषय बहुत इम्पार्टेंट हैं चाहे वर्किंग आफ एम्स हो और चाहे मेडिकल कौंसिल की वर्किंग हो । इस पर जब सरकार चाहेगी तब समय तय कर लेगी ।

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: Shall I continue? *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWAUA: The other Members should not be deprived of that. *...(Interruptions)...*

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal) : It is linked to the subject.

SHRI S.S. AHLUWALIA: How is it linked to this subject? *...interruptions)...* Let us have a Half-an-hour Discussion or a Short Duration Discussion on this subject. *...interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: Please do not waste my time. *...(Interruptions)...* Then I will continue. *...I/nterruptions)...* I would not stop. *...(Interruptions)...* If they go on disturbing me, I will take my own time. *...(Interruptions)...* I will take half-an-hour. *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: You take two hours. *...(Interruptions)...* But the time allotted for the Bill is only half-an-hour. *...(Interruptions)...* I am not disturbing him. What I am saying is that if he wants to discuss the Indian Medical Council. *...(Interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: The point is that the High Court has not only castigated a particular person who is the Chairman of the Indian Medical Council but has also observed that the Government also is responsible. Sir, I have to bring this to the notice of this House. *...(Interruptions)...* Should I not? *...(Interruptions)...* I quote from the judgement of the Delhi High Court. *...(Interruptions)...* They should find fault with the Delhi High Court and not with me. *...(Interruptions)...* I am quoting only one sentence from that judgement. *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Is it relevant here? *...(Interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: "The Medical Council of India which is supposed to be controlled by the elected members, is being controlled through nominations and the spirit of the judgement of the statute is being subverted." The High Court has observed, "The Union of India could not dispute this fact and it is the Central Government which has to take the blame." This is the observation of the High Court. *...(Interruptions)...* Should I not inform the House in this regard? *...I/nterruptions)...* Secondly, Sir, there was an allegation that the entire affairs of the Council are a farce managed by its President. The allegation

against the President is all right. *...(Interruptions)...* Then it has got a collateral responsibility.

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Sir, I am on a point of order. *...(Interruptions)...* Undoubtedly, he is speaking very well. *...(Interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: I do not need his certificate. *...(Interruptions)...*

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Sir, we are discussing a very limited subject relating to a certain amendment in the AIIMS Act. He should confine himself to that subject only. *...(Interruptions)...* If he wants to have a discussion on the Indian Medical Council, let him do it some other day. *...(Interruptions)...* This is not related to this subject.

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY : I will use the same precedent when he speaks *...(Interruptions)...* When he speaks, I will use the same *precedent...(Interruptions)...* Let him know this*...interruptions)...*

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : चलिए, जो बिल है, उस पर आइये । ...(व्यवधान)...

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: The Indian Medical Council only makes recommendations to the Central Government *...(Interruptions)...* Not a single instance was pointed out where the Central Government did not agree or differed on this...*(Interruptions)...*

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Sir, again, he is referring to the same thing...*(Interruptions)...*

SHRI S. RAMACHANDRAN PILLAI: Why are they afraid of it? *...(Interruptions)...* What do you want to conceal? *...(Interruptions)...* He is speaking on the subject *...(Interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: The Chair has no objection. The hon. Minister has no objection...*(Interruptions)...* Sir, what is all that is going on here? *...(Interruptions)...*

SHRI K. RAHMAN KHAN (Karnataka) : Here, mentioning the Indian Medical Council is relevant because the amendment is for recognising the degree issued by the All India Institute of Medical Sciences...*(Interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: ...and the collateral responsibility is there on the Government..*(Interruptions)...*

SHRI K. RAHMAN KHAN: The Indian Medical Council has to approve *...interruptions)...* So, the Council's approval is required.. *(Interruptions)...* So, the Council which approves degrees... *(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: The Sanitary Inspector's course also required approval... *(interruptions)...* Are we going to discuss that? *...(Interruptions)...*

SHRI K. RAHMAN KHAN: No, no *...(Interruptions)...* You have to take it in an overall context.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Please listen to *me..(Interruptions)...* आप दो मिनट सुनिये ।...(व्यवधान)... वही मैं कह रहा हूं । मैंने प्रारम्भ में ही आपसे निवेदन किया था कि यह जो बिल है इसके लिए जो समय निर्धारित है वह मात्र आधे घंटे का है, एक और दूसरा बहुत लिमिटेड स्कोप है बोलने का । यह सेक्शन 13 और 14 ही रिलेटेड हैं हमारे बोलने के लिए । निश्चित रूप से मेडिकल कौंसिल और ए.आई.आई.एम.एस. की वर्किंग पर बोलने के लिए मैं सोचता हूं और सदन के प्रायः सभी सदस्य भी सहमत होंगे कि हम समय तय कर सकते हैं । अभी और भी इम्पोर्टेंट बिल हैं, इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि आप जल्दी समाप्त करें ।

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: Sir, I will conclude in two minutes...*(Interruptions)...* Sir, will you please ask them not to disturb me? *...(Interruptions)...* I am conscious of this...*(Interruptions)...* Please look at your watch. I will take only three minutes. But, let them not disturb *me...(Interruptions)...* If they disturb, as I said, I will go on. And the court observes, "...through his money power, he is manipulating things at every stage." This is the observation...*(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir,'he is, again, speaking the same thing.

1

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: Sir, what will happen? The court

observes, "...What will happen to the medical profession and what type of medical education will we give to the citizens of this country?"

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, I am on a point of order.

DR. S. RADHAKRISHAN MURTY: Is it not relevant, Sir? *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, can we discuss a matter which is *sub judice?*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Yes. It is *sub judice ...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: I am speaking from the Rules book of the House... *(Interruptions)...*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): The matter is in the court...*(Interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHAN MURTY: Sir, I will give you a copy of the judgment of the High Court...*(Interruptions)...*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): That Is true. But the matter is before the Supreme Court...*(Interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: I will not quote *further...(Interruptions)...* I am concluding...*(Interruptions)...* I will not quote further. ..*(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: It should be expunged from the record... *(Interruptions)...*

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal) : What do you expunge? How can you expunge the order of the High Court from the *record?...(Interruptions)...* What do you expunge? *...(Interruptions)...* Do you want to expunge the verdict of the High Court? *...(Interruptions)...*

SHRI S. RAMACHANDRAN PILLAI: How do you know that the

matter is *sub judice? ...(Interruptions)...* How do you know that the matter is in court? *...(Interruptions)...*

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: How can we expunge the judgement of the High Court? *...(Interruptions)...* Even judgments can be expunged! *...(Interruptions)...* No, no. It is not proper.

SHRI JIBON ROY: Nobody is discussing...*Unterruptions)...*He is just quoting the order *...(Interruptions)...*

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: He is only quoting the order of the High *Court...(Interruptions)...* We do not know whether it is before the Supreme Court...*(Interruptions)...* We do not know whether it is pending in the Supreme Court...*(Interruptions)...* He is quoting from the order of the High *Court...(Interruptions)...* The Minister is not objecting...*(Interruptions)...*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): But the matter is before the court..*(Interruptions)...*

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: We do not know. He is quoting from the order of the High *Court...(Interruptions)...* We do not know whether it is in the Supreme Court. यह तो कभी कभी बोलते हैं । आप तो बोलते ही रहते हैं । हिन्दुस्तान से ले कर कहां तक पहुंचते हैं He speaks very rarely...*(Interruptions)...*

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी) : राधाकृष्ण मूर्ति जी, दीपांकर जी, सुनिये । मूर्ति साहब तो रेयरली बोलते हैं, बहुत रिज़र्व बोलते हैं । मैं सोचता हूं अच्छा यह होगा कि इस विषय पर मंत्री जी अपना रियेक्शन दे देंगे और इसके बाद आप कोट नहीं करेंगे ।

DR. Y. RADHAKRISHNA MURTY: Sir, they are not allowing me to speak even for a single minute.. .*(Interruptions)...* What is this? *...(interruptions)...* I do not understand this type of behaviour *...(Interruptions)...* Sir, there is erosion of moral standards in the MCI, and also among the people who are helping it. Therefore, there is degradation in the medical profession and its standards. Who will help us? Only God, if He is there, can help us. Who will come to our rescue in the present situation? This is my point on which I would ask the Chair to take a *suo motu* decision, look into this matter, and find out the truth. Thank you, Sir.

DR. C.P. THAKUR : Sir, Shri Sangh Priya Gautam has raised one issue that it has to come with one other amendment. Article 14 says, "A dental college with such institutional facilities for the practice of dentistry and for the practical training of students as may be necessary." So, it is contained there also. Then, Article 4 says, "A nursing college sufficiently staffed and equipped for the training of nurses." So, that condition will not arise. It is given here. Actually, a fault has occurred there that even at the place of awarding degrees -- the Institute may grant MBBS, MD, PhD., DM, MCH, MD, Biotech, BACH (Human Biology), BACH (Nursing), but they have left out the ordinary nursing and the BDS. Actually, it is for inclusion of these two things. Then, hon. Member, Dr. Murtyji, very rightly pointed about the standards. There is so much pressure on the All-India Institute of Medical Sciences. Recently, there was a study on different medical colleges in the country by 'India Today'. They brought out a report that still, the standard of medical education is the best in the country. So far as the vacancies in the AIIMS are concerned, a judgement has very recently been iven by the hon. High Court. I have ordered the filling up of all the posts. These are going to be advertised. They will now be filled up. So, that aspect will be taken care of. So far as the MCI is concerned, there is a provision that some of the members will be elected by the University. There, the Central Government will ask the different universities to send their nomination. So, unless they send their nomination, the Central Government cannot do anything. No doubt, if anything is happening in any part of the country, in any institution, it should be the concern of the hon. Members. I am totally with you. So far as the working of the MCI is concerned, we will definitely discuss it some day. We will try to improve the working of the MCI. So, with these few words, I request the Chair and the Members also that the Bill be passed so that we can start the Dental College and the Nursing College in the All-India Institute of Medical Sciences.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESN PACHOURI): The question is:

> 'That the Bill further to amend the All-India Institute of Medical Sciences Act, 1956 be taken into consideration."

The motion was adopted.

1126RSS/2002—20

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Now, we shall take up clause-by-clause consideration of the Bill.

Clauses 2 and 3 were added to the Bill. Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

DR. C.P. THAKUR: Sir, I move:

That the Bill be passed."

The question was put and the motion was adopted.

THE ESSENTIAL SERVICES (MAINTENANCE) ORDINANCE, REPEAL BILL, 2001.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CHENNAMANENI VIDYA SAGAR RAO) : Sir, I beg to move -

"That the Bill to repeal the Essential Services (Maintenance) Ordinance, 1941, as passed by the Lok Sabha, be taken into consideration."

The question was put and the motion was adopted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): We shall now take up clause-by-clause consideration of the Bill.

Clause 2 was added to the Bill

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

SHRI CHENNAMANENI VIDYA SAGAR RAO: Sir, I beg to move:

"That the Bill be passed."

The question was put and the motion was adopted.